महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः

विद्यावारिधि (Ph.D.) प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम 2022-23

कुल अंक- 100 **अवधि- 2 घंटा (होराद्वयम्)**

प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ (Objective) होंगे।

भाग एक- **50 अंक**

(क) संस्कृत वांङ्मय का सामान्य परिचय – **25 प्रश्न**

(ख) शास्त्र विशेष परिचय- **25 प्रश्न** (अभ्यर्थी को शास्त्र विशेष से सम्बन्धित किसी एक खण्ड के उत्तर देने होंगे)

(ग) प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

भाग दो- **50 अंक**

➢ शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान।

(शोध प्रविधि के कुल 50 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा)

भाग एक (क)		
सामान्य ज्ञान		**25 अंक**
1	संस्कृत साहित्य का इतिहास (वैदिक एवं लौकिक)	5 अंक
2	साहित्यशास्त्र-काव्यप्रकाश (काव्य लक्षण, भेद, हेतु, प्रयोजन एवं अलंकार)	5 अंक
3	भारतीय दर्शन (वेदान्तसार, सांख्यकारिका एवं तर्कभाषा)	5 अंक
4	व्याकरण (लघुसिद्धांत कौमुदी) कारक, सन्धि, समास	5 अंक
5	निरुक्त-(प्रथम, द्वितीय अध्याय एवं भाषाविज्ञान)	5 अंक

शास्त्र विशेष भाग एक (ख)	**25 अंक**
(ख-1) साहित्य शास्त्र विशेषाध्ययनम्	
1) पद्य : बुद्धचरितम् (प्रथम), रघुवंशम् (प्रथमसर्ग), किरातार्जुनियम् (प्रथमसर्ग), शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग), नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग)।	
2) नाट्य : स्वप्नवासवदत्तम, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, वेणीसंहारम्, मुद्राराक्षसम्, उत्तररामचरितम्, रत्नावली, मृच्छकटिकम्।	
3) गद्य : दशकुमारचरितम् (अष्टम-उच्छ्वास), हर्षचरितम् (पञ्चम- उच्छ्वास), कादम्बरी (शुकनासोपदेश)	
4) चम्पूकाव्य : नलचम्पूः (प्रथम- उच्छ्वास)	
5) साहित्यदर्पण : काव्यपरिभाषा, शब्दशक्ति- (संकेतशक्ति, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), काव्यभेद (चतुर्थ परिच्छेद), श्रव्यकाव्य (गद्य, पद्य, मिश्र काव्य लक्षण)।	
6) काव्यप्रकाश : काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्र विमर्श, रसदोष, काव्यगुण, व्यंजनावृत्ति की स्थापना (पञ्चम उल्लास)।	
7) अलंकार : वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि।	
8) ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)	
9) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)	

10) भरत-नाट्यशास्त्रम् (द्वितीय एवं षष्ठ प्रकाश)

11) दशरूपकम् : (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)

12) छन्द परिचय : आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, शालिनी, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, हरिणी, शार्दूलविक्रीडीत, स्त्रग्धरा।

(ख-2) व्याकरण शास्त्र विशेषाध्ययनम्

1) परिभाषाएँ – संहिता, संयोग, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगह्य, सर्वनामस्थान, भ, सर्वनाम, निष्ठा।

2) सन्धि – अच् सन्धि, हल सन्धि, विसर्ग सन्धि।

3) सुबन्त – अजन्त, राम, सर्व (तीनों लिंगो में), विश्वपा, हरि, त्रि, (तीनों लिंगो में), सखि, सुधि, गुरु, पितृ, गौ, रमा, मति, नदी, धेनु, मातृ, ज्ञान, वारि, मधु।

हलन्त – लिह्, विश्ववाह्, चतुर् (तीनों लिंगो में), इदम् (तीनों लिंगो में), किम् (तीनों लिंगो में), तत् (तीनों लिंगो में),राजन्, मघवन्, पथिन्, विद्वस्, अस्मद्, युष्मद्।

4) समान – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द्व, (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

5) तद्धित – अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय (सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

6) तिङन्त – भू:, एध्, अद्, अस्, हु, दिव्, षुञ्, तद्, तन्, कृ, रुध्, क्रीञ्, चुर्।

7) प्रत्ययान्त – णिजन्त; संन्नन्त; यङन्त; यङ्लुगन्त; नामधातु।

8) कृदन्त – तव्य/तव्यत; अनीयर्; यत; ण्यत; शतृ; शानच; क्त्वा; तुमुन; णमुल्।

9) स्त्रीप्रत्यय – (1-9 तक लघुसिद्धान्त कौमुदी पर आधारित प्रश्न)

10) कारक प्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार।

11) परस्मैपद एवं आत्मनेपद विधान – सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार।

12) महाभाष्य (पस्पशाह्निक) – शब्दपरिभाषा, शब्द एवं अर्थ संबंध, व्याकरण अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण पद्धति।

13) वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकांण्ड) – स्फोट का स्वरूप, शब्द ब्रह्म का स्वरूप, शब्द ब्रह्म की शक्तियाँ, स्फोट एवं ध्वनि का संबंध, शब्द अर्थ संबंध, ध्वनि के प्रकार, भाषा के स्तर।

(ख-3) दर्शन शास्त्र विशेषाध्ययनम्

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी
2. पातञ्जलयोगदर्शनम् (व्यासभाष्यसहितम्)
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावलि:
4. अर्थसंग्रह:
5. वेदान्तपरिभाषा

(ख-4) ज्योतिष शास्त्र विशेषाध्ययनम्

1. सूर्यसिद्धान्त - मध्यमाधिकारः, स्पष्टाधिकारः, त्रिप्रश्नाधिकारः, भूगोलाध्यायः, मानाध्यायः
2. जातकपारिजात सम्पूर्णम्
3. नरपतिजयचर्या आदितः सर्वतोभद्रमण्डल-पर्यन्तम्
4. बृहत्संहिता उपनयनाध्यायात् रोहिणीयोगाध्यायपर्यन्तम्

5. बृहत्जातकम् सम्पूर्णम्
6. भारतीय कुण्डली विज्ञानम्

(ख-5) वेद शास्त्र विशेषाध्ययनम्

1. वैदिकसाहित्यस्य सामान्यपरिचयः (संहिता, ब्राह्मणानि, उपनिषदः, वेदाङ्गानि च)
2. ऋग्वेदे – अग्निसूक्तम् – 1.1, वाक्सूक्तम् – 10.125, नासदीयसूक्तम् – 1.129।
3. सम्वादसूक्तानि – पुरुरवा-उर्वशी संवादः – 10.95, सरमा-पणिः संवादः – 10.108, विश्वामित्र-नदी संवादः – 3.33, यम-यमी संवादः – 10.10।
4. शुक्लयजुर्वेद-माध्यन्दिनसंहितायां रुद्रस्वरूपम् – 16.1-66, शिवसंकल्पसूक्तम् – 34.1-6।
5. अथर्ववेद – राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् – 1.29, प्राणसूक्तम् – 11.6.1-15, कालसूक्तम् – 19.53.1-10
6. ब्राह्मणस्वरूपं भेदाश्च। ऐतरेयब्राह्मणे – शुनः शेपोपाख्यानं हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् व (अध्यायः– 33)
7. तैत्तिरीय-आरण्यके कुष्माण्डहोमविधिः, पञ्चमहायज्ञाश्च। बृहदारण्यके-याज्ञवल्क्य-मैत्रेयीसंवादः।
8. उपनिषदत्साहित्यम् – ईशावास्योपनिषद् (सम्पूर्णम्), श्रेयः प्रेयमार्गः (कठोपनिषद्), नारदसनत्कुमारसंवादश्च (छान्दोग्योपनिषद्)
9. निरुक्ते – प्रथम-द्वितीय-सप्तमाध्यायाः।
10. त्रैस्वर्यप्रदर्शनम् (वैदिकस्वरबोधः), स्वरितभेदाः, विवृत्तिः, स्वरभक्तिश्च। (याज्ञवल्क्यशिक्षा)।
11. हविर्यागसोमयागपाकयागानां सामान्यपरिचयः।

भाग दो	
शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान	**50 अंक**